1853. राजस्थान में 'पूगल' नस्ल है -

(a) बकरी की (b) भेड़ की
(c) गाय की (d) ऊँट की

सेकेण्ड ग्रेड-संस्कृत शिक्षा-17-02-2019

Ans. (b) : राजस्थान में 'पूगल' नस्ल भेड़ की है। भेड़ की अन्य नस्लें-मगरा एवं पूगल (बीकानेर) जैसलमेरी (मण्डौर,पोकरण), मारवाड़ी भेड़ों के लिए (जोधपुर), नाली भेड़ों को लिए हनुमानगढ़ मालपुरी भेड़ों के लिए जयपुर, सोनाड़ी अथवा चनोकर भेड़ों के लिए चित्तौड़गढ़ चोखला भेड़ों के लिए कोडमदेसर क्षेत्र जाना जाता हैं भेड़ अनुसंधान केन्द्र सुजानगढ़ व मालपुरा में है।

1854. निम्नलिखित मे से कौन राजस्थान में एक भेड़ की प्रजाति नहीं है?

(a) मगरा (b) पूगल
(c) मारवाड़ी (d) मालवी

सहायक सांख्यिकी अधिकारी, 2018

Ans. (d) : राजस्थान में भेड़ों की कुल संख्या 7.9 मिलियन है। राजस्थान में पाई जाने वाली भेड़ों की प्रजातियां है।- चौकला, मगरा, जैसलमेरी, नाली, पूगल, मारवाड़ी, मालपुरी, सोनाड़ी, खेरी इत्यादि। जबकि मालवी भेड़ की प्रजाति नही है।

1855. थारपारकर किस पशु की नस्ल है?

(a) गाय (b) भैंस
(c) बकरी (d) भेड़

लैबअसिसटेंट (गृह विज्ञान)-30-06-2022
RPSC SI 14-09-2021

Ans. (a) : थारपारकर गाय की नस्ल है जो राजस्थान के बाड़मेर जैसलमेर, जोधपुर, जालौर आदि जिलों में पायी जाती है। यह नस्ल मूलतः मरू प्रदेश की है। इसे ग्रे सिंधी, वाइट सिंधी एवं थारी के नाम से भी जाना जाता है। इसका प्रजनन केन्द्र जैसलमेर के चंदन गाँव में है।

1856. गुजरात के 'गिर' प्रकार की गाय नस्ल को राजस्थान में कहा जाता है-

(a) नागौरी (b) थारपारकर
(c) रैंण्डा (d) राठी

Lab Assistant (Home Science)-30.06.2022

Ans. (c) : गुजरात के 'गिर' नस्ल की गाय को राजस्थान में रेण्डा के साथ-साथ अजमेरी, काठियावड़ी, देसान भी कहा जाता है। यह गाय सर्वाधिक अजमेर, बूँदी, भीलवाड़ा एवं टोंक जिलों में पायी जाती है।

1857. निम्न में से कौन-सी प्रजाति भेड़ की नहीं है?

(a) मगरा (b) मालपुरी
(c) बागड़ी (d) नाचना

उद्योग निरीक्षक भर्ती परीक्षा- 2018 (24 जून, 2018)

Ans. (d) निम्नलिखित में से मगरा, मालपुरी और बागड़ी भेड़ की प्रजातियाँ है, जबकि नाचना ऊंट की एक नस्ल है जो तेज दौड़ के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

1858. राजस्थान राज्य की भारत के कुल पशुधन में कितने प्रतिशत भागीदारी है?

(a) 9.9% (b) 11.27%
(c) 18.30% (d) 15.80%

उद्योग प्रसार अधिकारी -2018 (22 जुलाई, 2018)

Ans. (*) 20वीं पशुगणना 2019 के अनुसार राजस्थान राज्य की भारत के कुल पशुधन में भागीदारी 10.60% है। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने वर्ष 2019 में 20 पशुगणना रिपोर्ट जारी की। देश मे पशुधन की कुल आबादी 535.78 मिलियन है जो पशुधन गणना-2012 की तुलना में 4.6% अधिक है। राजस्थान 56.8 मिलियन पशुधन के साथ भारत में दूसरे स्थान पर है। जबकि उत्तर प्रदेश (67.8 मिलियन) का स्थान प्रथम है।
नोट- आयोग द्वारा इस प्रश्न का सही विकल्प (b) दिया गया है।

1859. इनमें से कौन-सी राजस्थान की भेड़ की किस्म नहीं है?

(a) चोकला (b) पुगल
(c) मगरा (d) बरबरी

स्टेनोग्राफर भर्ती परीक्षा-2019 (21 मार्च, 2021)

Ans. (d)बरबरी प्रजाति बकरी की है। राजस्थान में पायी जाने वाली भेंड़ों की प्रमुख नस्लें-जैसलमेरी, नाली, मालपुरी, मगरा, पूगल, मारवाड़ी चोकला या शेखावटी तथा सोनाड़ी (चनोथर) हैं। केन्द्रीय भेंड़ और ऊन अनुसंधान संस्थान (अविकानगर) मालपुरा (टोंक) में स्थित है।

1860. राजस्थान में 'कांकरेज' नस्ल का प्रमुख केन्द्र है-

(a) अजमेर (b) जालौर
(c) गंगानगर (d) झालावाड़

संगणक भर्ती परीक्षा-2021 (19 दिसम्बर, 2021)

Ans. (b) राजस्थान में कांकरेज नस्ल का प्रमुख केन्द्र जालौर, बाड़मेर, जोधपुर तथा सिरोही है। यह गायों की सबसे भारी नस्लों में से एक है। दूध देने तथा कृषि व भारवाहन कार्य में उपयोगी होने के कारण इस नस्ल के गौ वंश को ''द्वि-परियोजनीय नस्ल कहते हैं।

1861. स्वदेशी प्रजाति के गौवंश की प्रजाति सुधार केन्द्रों का कौन सा जोड़ा सही सुमेलित नहीं है?

(a) किशनगढ़-गिर
(b) सांचौर-कांकरेज
(c) चौहटन-थारपारकर
(d) अनुपगढ़-मालवी

पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019

Ans. (d) मालवी गाय- यह मुख्यतः भारवाही नस्ल है। राजस्थान में झालावाड़, बाँरा, कोटा व चितौड़गढ़ इसका प्रमुख क्षेत्र है। इस नस्ल का प्रजाति सुधार केन्द्र झालावाड़ा में है।

1862. बीकानेर एवं चुरू जिलों में ऊँट की कौन सी प्रजाति पाई जाती है?

(a) गोमट
(b) खेरूपाल
(c) कच्छी
(d) नाचना

पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019

Ans. (b) खेरूपाल ऊँट की एक प्रजाति है, जो सामान्यतः राजस्थान के सभी जिलों में पायी जाती है। राजस्थान के बीकानेर एवं चुरु जिलों में अधिक संख्या में पाई जाती है। ऊँट की अन्य प्रजातियाँ जैसलमेरी, बीकानेरी, कच्छी, नाचना, मेवाड़ी और जोधपुरी आदि पाई जाती है। जैसलमेर के निकट नाचना का ऊँट सर्वाधिक उत्तम किस्म का माना जाता है। जैसलमेरी, बीकानेरी, व जोधपुरी ऊँट शक्तिशाली होते हैं।